# गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ से रिकॉर्ड निवेश निकासी

अभिषेक कुमार
मुंबई, 11 जून

कीमती धातुओं के दामों में जबरदस्त तेजी के बाद अब उनमें नरमी आ रही है। इस कारण गोल्ड और सिल्वर एक्सचेंज-ट्रेडेड फंडों (ईटीएफ) के निवेशक भी अपने पैसे निकाल रहे हैं। मई में निवेशकों ने गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ से लगभग 3,000 करोड़ रुपये निकाले, जो इन दोनों श्रेणियों से किसी महीने में अब तक की सबसे ज्यादा निकासी है। इसी तरह अकेले गोल्ड ईटीएफ से मई में 725 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुई, जो इस श्रेणी के लिए अब तक की सबसे ज्यादा निकासी है और करीब एक साल में पहली बार मासिक रीडम्पशन हुआ है।

इस साल 29 जनवरी को रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने से पहले 2025 में सोने की कीमतों में लगभग 75 फीसदी की बढ़ोतरी हुई थी। जनवरी की ऊंचाई से कीमतों में लगभग 17 फीसदी की गिरावट आई है, जिससे निवेशकों ने अपना मुनाफा वसूलना शुरू कर दिया है। चांदी के मामले में भी ऐसा ही ट्रेंड देखा गया है। हालांकि इसमें गिरावट कहीं ज्यादा तेज रही है। घरेलू बाजार में चांदी की कीमतें अभी जनवरी के अपने उच्चतम स्तर से लगभग 39 फीसदी नीचे हैं।

चांदी की कीमतों में तेजी से आई गिरावट के कारण निवेशकों ने सिल्वर ईटीएफ से भारी निकासी की है। मई में इस श्रेणी से रिकॉर्ड 2,133 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुई। इस तरह से लगातार चौथे महीने भी निकासी का सिलसिला बरकरार रहा। इस दौरान निवेशकों ने सिल्वर ईटीएफ से कुल 3,770 करोड़ रुपये निकाले हैं।

गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ में लगभग छह महीने तक जबरदस्त निवेश आने के बाद अब पैसे बाहर निकल रहे हैं। जनवरी 2026 तक शुद्ध निवेश और फ़ोलियो की संख्या हर महीने नए रिकॉर्ड बना रही थी क्योंकि कीमती धातुओं के उछलते भावों ने निवेशकों को इस श्रेणी की ओर मोड़ दिया था।

मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया में वरिष्ठ विश्लेषक नेहल मेश्राम ने कहा, जनवरी में गोल्ड ईटीएफ में 24,040 करोड़ रुपये का भारी निवेश आने के बाद अगले महीनों में यह रफ्तार धीमी पड़ती गई। इससे संकेत मिलता है कि नए निवेश में धीरे-धीरे कमी आ रही है। ऐसा लगता है कि यह बदलाव सोने की कीमतों में पहले आई तेजी के बाद मुनाफावसूली और निवेशकों की जोखिम लेने की इच्छा में बदलाव के कारण हुआ है, जिसमें कुछ निवेशक सुरक्षित माने जानी वाली परिसंपत्तियों को छोड़कर दूसरे विकल्पों की ओर बढ़ रहे हैं।

फोलियो में शुद्ध जुड़ाव के आंकड़ों से पता चलता है कि बहुत से निवेशक दोनों कीमती मेटल ईटीएफ में अपना निवेश निकाल रहे हैं। गोल्ड ईटीएफ के फोलियो में कम से कम एक साल में पहली बार गिरावट देखी गई। मई में खातों की संख्या 1,34,343 कम हो गई। सिल्वर ईटीएफ के मामले में, खातों की संख्या लगातार दो महीनों से घट रही है। खातों की कुल संख्या मार्च 2026 के 56 लाख के उच्चतम स्तर से करीब 4,00,000 कम हो गई है।

वेलम कैपिटल के सीईओ और पोर्टफोलियो मैनेजर मनीष भंडारी ने कहा, छह महीने पहले कीमतों में लगातार बढ़ोतरी के कारण निवेशकों ने सोने और चांदी की बहुत ज्यादा खरीदारी की थी। अब कीमतों में गिरावट से उन्हें शॉर्ट-टर्म नुकसान हो रहा है। इसकी वजह से वे ईटीएफ से अपना पैसा निकाल रहे हैं। जानकारों के मुताबिक सरकार की ओर से सोने की खरीदारी कम करने की अपील का असर भी गोल्ड ईटीएफ में आने वाले शुद्ध निवेश पर पड़ सकता है।

आनंद राठी वेल्थ के संयुक्त सीईओ फिरोज अजीज ने कहा, गोल्ड ईटीएफ से पैसा निकलने का यह घटनाक्रम लगातार 12 महीनों तक हुए सकारात्मक निवेश के बाद हुआ है और इस दौरान इनमें 70,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश आया था। सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने, सरकार की ओर से सोना न खरीदने की अपील और कुछ एएमसी द्वारा ईटीएफ में निवेश रोकने के कारण निवेशक अब ज्यादा व्यावहारिक नजरिया अपनाते दिख रहे हैं। जबरदस्त तेजी के बाद भविष्य में मिलने वाला रिटर्न शायद उतना आकर्षक न लगे, जितना पिछले साल लग रहा था। कुछ निवेशक मुनाफावसूली भी कर रहे होंगे और अपना पैसा दूसरी परिसंपत्तियों खासकर शेयरों में लगा रहे होंगे, जिनमें काफी गिरावट आ चुकी है।

### कीमती धातुओं को लेकर दीवानगी घटी

| महीना | शुद्ध निवेश (करोड़ रुपये) | |
|---|---|---|
| | गोल्ड ईटीएफ | सिल्वर ईटीएफ |
| मई 25 | 292 | 854 |
| जून 25 | 2,081 | 2,005 |
| जुलाई 25 | 1,256 | 1,904 |
| अगस्त 25 | 2,190 | 1,760 |
| सितंबर 25 | 8,363 | 5,342 |
| अक्टूबर 25 | 7,743 | 3,412 |
| नवंबर 25 | 3,742 | 2,154 |
| दिसंबर 25 | 11,647 | 3,962 |
| जनवरी 26 | 24,040 | 9,463 |
| फरवरी 26 | 5,255 | -826 |
| मार्च 26 | 2,266 | -684 |
| अप्रैल 26 | 3,040 | -127 |
| मई 26 | -725 | -2,133 |

स्रोत : एम्फी

# सेबी के खिलाफ सैट पहुंचे विदेशी फंड

खुशबू तिवारी
मुंबई, 11 जून

**पांच** विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के खिलाफ प्रतिभूति अपील पंचाट (सैट) में अपील की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि मौजूदा कानूनी कार्यवाही में प्रक्रिया की खामियां हैं। मामले की सुनवाई शुक्रवार को होनी है।

ये अपीलें एलटीएस इन्वेस्टमेंट फंड, क्रेस्टा फंड, एशिया इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन (मॉरीशस), एपीएमएस इन्वेस्टमेंट फंड और अल्बुला इन्वेस्टमेंट फंड ने दायर की हैं। ये वे कंपनियां हैं जिनका नाम शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने अदाणी समूह पर अपनी 2023 की रिपोर्ट में लिया था। हिंडनबर्ग रिसर्च अब बंद हो चुकी है।

एफपीआई के एक कानूनी प्रतिनिधि के अनुसार यह विवाद सेबी की ओर से जारी कारण बताओ नोटिस से जुड़ा है। ये नोटिस नियमों के कथित उल्लंघन, जैसे तय डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट्स को की गई फाइलिंग और खुलासों में कमियों के कारण जारी किए गए थे।

फंडों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक वरिष्ठ वकील ने कहा कि एफपीआई ने नोटिस का जवाब दिया था, लेकिन उन्होंने तर्क दिया कि उनके जवाबों पर विचार करने के बावजूद सेबी न्यायिक प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के कारण बताने में विफल रहा।

अपील करने वालों का तर्क है कि सेबी (जांच करने और जुर्माना लगाने की प्रक्रिया) नियम, 1995 के नियम 4(3) के तहत एक एडजुडिकेटिंग ऑफिसर (एओ) को सबसे पहले नोटिस पाने वाले के जवाब की जांच करनी चाहिए और इस बात पर अपनी राय बनानी चाहिए कि क्या औपचारिक जांच की जरूरत है। एफपीआई के अनुसार उन्हें ऐसी राय की प्रति और न्यायिक प्रक्रिया शुरू करने के कारण नहीं बताए गए हैं।

इस मामले में सुनवाई के लिए फंड सेबी के सामने पेश हुए, लेकिन उनका कहना है कि एओ ने मांगी गई वजहें बताने से इनकार कर दिया, जिसके बाद उन्हें पंचाट का रुख करना पड़ा।

एफपीआई का प्रतिनिधित्व करने वाले एक वकील ने कहा, 'राय रिकॉर्ड करनी चाहिए और बतानी चाहिए। अगर ऐसा नहीं किया जाता है, तो जांच आगे नहीं बढ़ सकती। यह असल में नोटिस पाने वालों के अधिकारों से जुड़ा एक प्रक्रिया संबंधी मामला है।'

मामले की जानकार एक और सूत्र ने बताया कि यह कार्यवाही एफपीआई की अल्टीमेट बेनिफिशियल ओनरशिप की सेबी की जांच से भी जुड़ी हो सकती है। इस खबर के छपने के समय तक इस संबंध में सेबी की प्रतिक्रिया के लिए भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं मिल।

सितंबर 2025 में, सेबी ने हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों के सिलसिले में अदाणी समूह की कंपनियों, चेयरमैन गौतम अदाणी और उनसे जुड़ी संस्थाओं के खिलाफ कार्यवाही बंद कर दी। इन आरोपों में फंड के गलत इस्तेमाल और संबंधित पक्षों के साथ लेनदेन में गड़बड़ी जैसे दावे शामिल थे। अलग-अलग आदेशों में, नियामक को 'लिस्टिंग ऑब्लिगेशन्स ऐंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स' (एलओडीआर) रेग्युलेशंस या 'प्रोहिबिशन ऑफ फ्रॉडुलेंट ऐंड अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिसेज' (पीएफयूटीपी) नियमन के किसी भी उल्लंघन का पता नहीं चला, जिससे समूह पर लगे आरोपों से उसे राहत मिल गई।

### फैसले से जुड़ा विवाद

- अदाणी समूह के खिलाफ हिंडनबर्ग रिसर्च की 2023 की रिपोर्ट में सभी पांच एफपीआई का नाम था
- सैट में इसकी सुनवाई 12 जून को होनी है
- एफपीआई का कहना है कि कारण बताओ नोटिस के जवाब के बाद सेबी को अपनी राय देनी चाहिए
- मामले में 'अल्टीमेट बेनिफिशियल ओनरशिप' से जुड़े मुद्दे शामिल हो सकते हैं

# सिटी ने निफ्टी का लक्ष्य घटाकर 26,000 किया

बीएस संवाददाता
मुंबई, 11 जून

**वैश्विक** ब्रोकरेज फर्म सिटी ने निफ्टी 50 सूचकांक के लिए अपना लक्ष्य 27,000 से घटाकर 26,000 कर दिया है। उसने इसका कारण लगातार बने हुए भू-राजनीतिक तनाव, कॉरपोरेट मुनाफे की वृद्धि में जोखिम और वैश्विक आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) के तंत्र में भारत की स्थिति को लेकर चिंताएं बताई हैं।

निफ्टी 50 सूचकांक 23,162 पर बंद हुआ। इसका मतलब है कि मौजूदा स्तर से इसमें कीमत लक्ष्य के हिसाब से करीब 12 प्रतिशत तेजी की गुंजाइश है। ब्रोकरेज ने अपने मूल्यांकन ढांचे को मार्च 2028 की कमाई के आधार पर आगे बढ़ाया है। उसने अब बेंचमार्क सूचकांक की वैल्यू को भविष्य की आय का 18 गुना आंका है।

भारत के बारे में मध्यावधि में सकारात्मक नजरिया बनाए रखते हुए सिटी ने कहा कि अल्पावधि में आने वाली चुनौतियां विदेशी निवेशकों की धारणा और बाजार के प्रदर्शन पर असर डाल सकती हैं।

ब्रोकरेज ने एक रिपोर्ट में कहा, 'मध्यावधि के लिए अच्छा

आउटलुक और कम पोजिशन का मतलब है कि अगर पश्चिम एशिया संकट सुलझता है और विदेशी पोर्टफोलियो से पैसा बाहर जाने का सिलसिला रुकता है, तो इसमें बढ़त देखने को मिल सकती है।'

पिछले दो साल में घरेलू इक्विटी में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की भागीदारी तेजी से कम हुई है। सिटी के अनुसार वैश्विक उभरते बाजार (जीईएम) फंडों में भारत का हिस्सा लगभग पांच साल के निचले स्तर पर आ गया है, जबकि विदेशी निवेशकों के बीच देश की 'अंडरवेट' स्थिति पिछले दो दशकों में सबसे ऊंचे स्तर के करीब है।

रिपोर्ट के अनुसार, उभरते बाजारों के पोर्टफोलियो में भारत का हिस्सा 2024 के मध्य में लगभग 20 प्रतिशत से घटकर करीब 11 प्रतिशत रह गया है। ऐसा कैलेंडर वर्ष 2026 में अब तक लगभग 30 अरब डॉलर की अनुमानित एफपीआई निकासी के साथ हुआ है।

ब्रोकरेज ने बाजार के सुस्त माहौल के लिए भू-राजनीतिक टकराव, अल-नीनो जैसे जलवायु जोखिम और दुनिया भर में एआई-आधारित निवेश थीमों के तेजी से बढ़ते चलन को जिम्मेदार ठहराया।

सिटी का कहना है कि एआई को सपोर्ट करने वाले बुनियादी इन्फ्रास्ट्रक्चर को बनाने में भारत की भागीदारी अभी सीमित है। इससे मध्यावधि में घरेलू रोजगार, वेतन और खपत पर ऑटोमेशन के संभावित असर को लेकर चिंताएं हो रही हैं। हालांकि, उसका मानना है कि आगे चलकर यह स्थिति भारत के पक्ष में बदल सकती है, क्योंकि वैल्यू क्रिएशन एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रदाताओं से हटकर उन सॉफ्टवेयर और सेवा कंपनियों की ओर जा सकता है जिन्हें एआई अपनाने से फायदा होता है।

ब्रोकरेज ने कॉरपोरेट मुनाफे की वृद्धि में कमी की ओर भी इशारा किया। मार्च तिमाही में बीएसई-100 कंपनियों की कुल एबिटा वृद्धि सालाना आधार पर लगभग 6 प्रतिशत रही, जो सिटी के अनुमानों और पुराने रुझानों से थोड़ी कम थी।

## बढ़ते तनाव से सेंसेक्स और निफ्टी टूटे

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में शेयर बाजारों में गुरुवार को गिरावट आई और दोनों मानक सूचकांक नुकसान में रहे। बीएसई सेंसेक्स जहां 151 अंक टूट गया, वहीं एनएसई निफ्टी 53 अंक फिसल गया। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने के साथ निवेशकों के सतर्क रुख अपनाये जाने से बाजार में गिरावट आई।

विश्लेषकों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार पूंजी निकासी और अमेरिका में महंगाई बढने से भी बाजार में कारोबार सीमित दायरे में रहा। बीएसई सेंसेक्स 150.63 अंक टूटकर 73,832.55 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 74,394.34 अंक के उच्चतम स्तर तक गया और 73,518.75 अंक के निचले स्तर तक आया। यानी इसमें 875.59 अंक का उतार-चढ़ाव आया।

उधर, एनएसई निफ्टी 53.35 अंक की गिरावट के साथ 23,161.60 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह ऊंचे में 23,327.45 अंक तक गया और नीचे में 23,072.05 अंक तक आया। सेंसेक्स की कंपनियों में इन्फोसिस, एचसीएल टेक, अदाणी पोर्ट्स, बजाज फाइनैंस, इटर्नल और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं। *भाषा*

# रुपये में दो दिन से चल रही बढ़त पर विराम

अंजलि कुमारी
मुंबई, 11 जून

**गुरुवार** को डॉलर की नई मांग के कारण दो दिन से रुपये में जारी बढ़त का सिलसिला थम गया। यह मांग खासकर फॉरवर्ड परिपक्वता से जुड़ी थी। डीलरों ने बताया कि तेल कंपनियों की डॉलर मांग ने भी रुपये पर दबाव डाला।

रुपया 95.27 प्रति डॉलर के पिछले बंद भाव के मुकाबले 95.76 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, बेंचमार्क 10 वर्षीय सरकारी बॉन्ड पर यील्ड 2 आधार अंक घटकर 6.92 फीसदी पर आ गई क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक के हालिया कदमों के बाद विदेशी निवेश की उम्मीदों को लेकर सकारात्मक माहौल बना हुआ है।

बाजार के जानकारों का कहना है कि ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव की वजह से वैश्विक बाजार में जोखिम लेने से बचने का माहौल बना, जिससे डॉलर इंडेक्स और कच्चे तेल की कीमतें बढ़ गईं और घरेलू मुद्रा पर दबाव पड़ा।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक दिलीप परमार ने कहा, दो दिन की बढ़त के बाद

भारतीय रुपया कमजोर हुआ। इसकी वजह फॉरवर्ड परिपक्वता के कारण डॉलर की नई मांग और सुरक्षित ठिकाने में निवेश के चलते डॉलर इंडेक्स में रिकवरी थी।

परमार के अनुसार, हाल के सत्र में डॉलर-रुपये की जोड़ी को 95.80 प्रति डॉलर के स्तर पर प्रतिरोध का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा, अगर यह 95.80 के स्तर को मजबूती से पार कर लेती है तो इससे तेजी से शॉर्ट कवरिंग और आक्रामक हेजिंग हो सकती है, जिससे यह 96.50 की ओर बढ़ सकती है। दूसरी ओर, 94.70 प्रति डॉलर का स्तर मजबूत आधार बना हुआ है।

आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार फॉरवर्ड मार्केट में आरबीआई की बकाया नेट शॉर्ट डॉलर पोजीशन पहली बार घट गईं। मार्च के आखिर में उसकी ये पोजीशन 103.06 अरब डॉलर थीं जो अप्रैल के आखिर में 95.30 अरब डॉलर रह गईं। 95 अरब डॉलर की नेट शॉर्ट डॉलर पोजीशन में से 13.52 अरब डॉलर एक महीने के कॉन्ट्रैक्ट में, 10.90 अरब डॉलर 1-3 महीने की अवधि में, 20.15 अरब डॉलर की पोजीशन तीन महीने से एक साल के बीच परिपक्व होने वाली थी और बाकी 50 अरब डॉलर एक साल से ज्यादा समय के कॉन्ट्रैक्ट में थे।

बाजार के प्रतिभागियों ने बताया कि आरबीआई ने दिन के दौरान डॉलर बेचकर विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप किया।

फिनरेक्स ट्रेज़री एडवाइजर्स एलएलपी के ट्रेजरी प्रमुख और कार्यकारी निदेशक अनिल कुमार भंसाली ने कहा, आरबीआई ने शुरू में 95.65 प्रति डॉलर और बाद में 95.75 प्रति डॉलर के स्तर को बनाए रखा, जिससे यह 95.80 प्रति डॉलर के स्तर से नीचे रहा।

THIS IS A PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR INFORMATION PURPOSES ONLY AND IS NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT AND DOES NOT CONSTITUTE AN INVITATION OR OFFER TO ACQUIRE, PURCHASE OR SUBSCRIBE TO SECURITIES. NOT FOR RELEASE, PUBLICATION OR DISTRIBUTION DIRECTLY OR INDIRECTLY OUTSIDE INDIA. THERE WILL BE NO PUBLIC OFFERING OF EQUITY SHARES IN THE UNITED STATES. INITIAL PUBLIC OFFERING OF EQUITY SHARES ON THE SME PLATFORM OF BSE LIMITED ("BSE SME")

**PUBLIC ANNOUNCEMENT**

AMERICAN BAKERS

**Q&T FOODS LIMITED**

*(Formerly Known as Q&T Foods Private Limited)*
**(CIN- U55101UP2018PLC107257)**

*(Please scan this QR code to view the Draft prospectus and Abridged Prospectus)*

Our company was originally incorporated as Private Limited Company under the provisions of Companies Act, 2013 in the name and style of ***"Q&T Foods Private Limited"***, vide fresh certificate of incorporation issued by Central Registration Centre dated August 29, 2018. Subsequently, our Company was converted into Public Limited Company and the name of the company was changed to ***"Q&T Foods Limited"*** pursuant to shareholders resolution passed at an Extra Ordinary General Meeting held on May 27, 2024 and fresh certificate of incorporation dated August 08, 2024 was issued by the Central Processing Centre. As on the date of Draft prospectus, the Corporate Identification Number of our company is U55101UP2018PLC107257. For further details please refer to chapter titled "***History and Corporate Structure***" beginning on page 143 of this Draft Prospectus.

**Registered Office**: 1/361, SF, Vaishali, Ghaziabad, Gzb, Uttar Pradesh-201010
**Contact person**: Mr. Satish Joshi, Company Secretary and Compliance officer
**Tel No:** 9355612523; **E-mail Id:** cs@qtfoods.in; **Website:** www.qtfoods.in

**OUR PROMOTERS: MR. NISHANT RAJ GUPTA, MS. KHUSHBU VARSHNEY, MS. USHA GUPTA AND MR. RAKESH GUPTA**

**DETAILS OF THE ISSUE**

**INITIAL PUBLIC OFFER OF UPTO 23,00,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF RS. 10/- EACH ("EQUITY SHARES") OF Q & T FOODS LIMITED ("THE COMPANY" OR THE "ISSUER") FOR CASH AT A PRICE OF RS. [●]/- PER EQUITY SHARE INCLUDING A SHARE PREMIUM OF RS. [●]/- PER EQUITY SHARE (THE "ISSUE PRICE") AGGREGATING TO RS. [●] LAKHS ("THE ISSUE") OF WHICH UPTO [●] EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF RS. 10/- EACH FOR CASH AT A PRICE OF RS. [●]/- PER EQUITY SHARE INCLUDING A SHARE PREMIUM OF RS. [●]/- PER EQUITY SHARE AGGREGATING TO RS. [●] LAKHS WILL BE RESERVED FOR SUBSCRIPTION BY MARKET MAKER TO THE ISSUE (THE "MARKET MAKER RESERVATION PORTION"). THE ISSUE LESS THE MARKET MAKER RESERVATION PORTION I.E NET ISSUE OF [●] EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF RS. 10/- EACH AT A PRICE OF RS. [●]/- PER EQUITY SHARE INCLUDING A SHARE PREMIUM OF RS. [●]/- PER EQUITY SHARE AGGREGATING TO RS. [●] LAKHS (THE "NET ISSUE"). THE ISSUE AND THE NET ISSUE WILL CONSTITUTE UPTO [●] AND [●] RESPECTIVELY OF THE POST ISSUE PAID UP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR COMPANY.**

The Issue is being made through the Fixed Price Method In terms of Rule 19(2)(b)(i) of the SCRR this Issue is being made for at least 25% of the post-Issue paid-up Equity Share capital of our Company. This Issue is being made through Fixed Price process in accordance and compliance with Regulation 229(1) of Chapter IX and other applicable provisions of SEBI ICDR Regulations, wherein a minimum 50% of the Net Issue is allocated for Individual Investors and the balance shall be offered to individual investors who applies for minimum application size and other investors including body corporates or institutions. Provided that the unsubscribed portion in either categories may be allocated to applicants in the other category. For further details please refer the section titled ***"Issue Structure"*** beginning on page no. 275 of this Draft Prospectus. All potential investors shall participate in the Issue only through an Application Supported by Blocked Amount **("ASBA")** process providing details about the bank account which will be blocked by the Self-Certified Syndicate Banks **("SCSBs")** for the same. Further pursuant to SEBI circular bearing no. SEBI/HO/CFD/DIL2/CIR/P/2019/76 dated June 28, 2019, for implementation of Phased II for UPI facility, which is effective from July 01, 2019, all potential Bidders (except Anchor Investors) are required to mandatorily utilize the Application Supported by Blocked Amount **("ASBA")** process providing details of their respective ASBA accounts or UPI ID (in case of IIs), in which the corresponding Application Amounts will be blocked by the SCSBs or under the UPI Mechanism, as applicable. For details, please refer chapter titled ***"Issue Procedure"*** beginning on Page no. 278 of this Draft Prospectus. A copy of the Prospectus will be filed with the Registrar of Companies as required under Section 26 of the Companies Act, 2013.

**THE ISSUE PRICE IS [●] TIMES OF THE FACE VALUE OF EQUITY SHARES**

This public announcement is being made in compliance with the provisions of Regulation 247(2) of the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2018 **("SEBI ICDR Regulations")** to inform the public that our Company is proposing, subject to applicable statutory and regulatory requirements, receipt of requisite approvals, market conditions and other considerations, to undertake initial public offering of its Equity Shares pursuant to the Issue and has filed the Draft Prospectus and Draft Abridged Prospectus dated June 10, 2026 which has been filed with the SME Platform of BSE Limited **("BSE SME" or "BSE").** In relation to above, the Draft Prospectus and Draft Abridged Prospectus filed with BSE shall be made available to the public for comments, if any, for a period of at least 21 days, from the date mentioned below by hosting it on the respective websites of the Stock Exchange i.e., BSE at www.bseindia.com, website of the Company at www.qtfoods.in and the website of the Lead Manager to the Issue at www.corporatemakers.in. Our Company hereby invites the members of the public to give comments on the Draft Prospectus and Draft Abridged Prospectus filed with BSE with respect to disclosures made in the Draft Prospectus and Draft Abridged Prospectus. The members of the public are requested to send a copy of their comments to BSE and /or to the Company Secretary and Compliance Officer i,e. cs@qtfoods.in of our Company and /or the Lead Manager of the issue at their respective addresses mentioned herein below in relation to the issue on or before 5:00 pm. on the 21st day i.e. 21 days from the date of filing of Issue Document with SME Platform of BSE Limited **("BSE SME")**.

**ATTENTION INVESTORS**

**NOTICE TO INVESTORS ("NOTICE") – CORRIGENDUM TO DRAFT PROSPECTUS AND**

**DRAFT ABRIDGED PROSPECTUS DATED JUNE 10, 2026 ("CORRIGENDUM")**

*This Corrigendum is with reference to the Draft Prospectus and Draft Abridged Prospectus of Q&T Foods Limited **("the Company")** dated June 10, 2026 and filed with BSE Limited **("Stock Exchange")**.*

*The attention of the investors is drawn to the following revisions/modifications in the aforesaid Draft Prospectus and Draft Abridged Prospectus:*

1. *On page 96 and 227 of the Draft Prospectus and Page 07 of the Draft Abridged Prospectus, the Financial Key Performance Indicator **("KPI")** shall stand replaced with the following:*

| Particulars | For the Period ended on | | | |
|---|---|---|---|---|
| | 31.12.2025 | 31.03. 2025 | 31.03. 2024 | 31.03. 2023 |
| Revenue from operations | 4,188.38 | 4,683.07 | 4,021.53 | 3,685.32 |
| Growth in Revenue from Operations (%) | -10.56 | 16.45 | 9.12 | - |
| Total Income | 4,188.38 | 4,683.07 | 4,021.95 | 3,685.32 |
| EBITDA | 503.57 | 482.09 | 376.83 | 83.08 |
| EBITDA margin (%) | 12.02 | 10.29 | 9.37 | 2.25 |
| PAT | 297.63 | 273.55 | 196.00 | 4.74 |
| PAT Margin (%) | 7.11 | 5.84 | 4.87 | 0.13 |
| ROE (%) | 34.91 | 57.71 | 134.07 | 10.69 |
| ROCE (%) | 44.38 | 60.69 | 85.45 | 14.68 |
| EPS (Basic & Diluted) | 6.21 | 5.83 | 4.26 | 0.10 |

*The above information modifies and updates the relevant information contained in the aforesaid Draft Prospectus and Draft Abridged Prospectus, and accordingly, the said Draft Prospectus and Draft Abridged Prospectus shall stand amended to the extent stated hereinabove.*

*This Corrigendum should be read in conjunction with the Draft Prospectus and Draft Abridged Prospectus. All capitalised terms used herein and not specifically defined shall have the same meaning as ascribed to them in the Draft Prospectus and Draft Abridged Prospectus of the Company.*

Investment in Equity and Equity-related securities involve a degree of risk and investors should not invest any funds in this issue unless they can afford to take the risk of losing their investment

Investors are advised to read the risk factors carefully before taking an investment decision in this issue. For taking an investment decision, investors must rely on their own examination of the issuer and this Issue; including the risks Involved. The Equity Shares have not been recommended or approved by the Securities and Exchange Board of India **("SEBI")**, nor does SEBI guarantee the accuracy or adequacy of the Draft Prospectus. Specific attention of the investors is invited to the statement of ***"Risk Factors"*** given on page no. 22 of the Draft Prospectus, Any decision to invest in the Equity Shares described in the Draft Prospectus may only be made after the Prospectus has been filed with the RoC and must be made solely on the basis of such Prospectus as there may be material changes in the Prospectus from the Draft Prospectus.

The Equity Shares, when offered, through the Prospectus, and proposed to be listed on the SME Platform of BSE Limited **("BSE SME or BSE)**,

For details of the main objects of our Company as contained in its Memorandum of Association, see ***"History and Corporate Structure"*** on page 143 of the Draft Prospectus.

The liability of the members of our Company is limited. For details of the share capital, capital structure of our Company, the names of the signatories for the Memorandum of Association and the number of shares of our Company subscribed by them of our Company, please see ***"Capital Structure"*** beginning on page 66 of the Draft Prospectus.

**CORPORATE MAKERS CAPITAL LIMITED**
611, 6Th Floor, Pragati Tower, Rajendra Place, New Delhi- 110008
**Telephone:** 011 41411600; **Email:** info@corporatemakers.in;
**Website:** www.corporatemakers.in
**Investor Grievance Email:** compliance@corporatemakers.in;
**Contact Person:** Mr. Manish Kumar Singh/ Mr. Gagan Aggarwal
**SEBI Registration Number:** INM000013095
**CIN:** U65100DL1994PLC063880

Skyline Financial Services Pvt. Ltd.

**SKYLINE FINANCIAL SERVICES PRIVATE LIMITED**
D-153A, 1st Floor, Okhla Industrial Area, Phase-I, New Delhi- 110020
**Telephone:** 011 40450193-197; **Fax:** +91-11-26812683
**Email ID:** ipo@skylinerta.com
**Investor grievance email:** grievances@skylinerta.com
Website: www.skylinerta.com
**Contact Person:** Mr. Anuj Rana
**SEBI Registration Number:** INR000003241, **CIN:** U74899DL1995PTC071324

All capitalized terms used herein and not specifically defined shall have the same meaning as ascribed in the Draft Prospectus

**For Q&T Foods Limited**
On behalf of the Board of Directors
Sd/-
Satish Joshi
Company Secretary and Compliance Officer

**Date –** June 11, 2026
**Place** – Uttar Pradesh

**Q&T Foods Limited** is proposing, subject to receipt of requisite approvals, market conditions and other considerations, to make an Initial Public Offer of its Equity Shares and has filed the Draft Prospectus and Draft Abridged Prospectus with BSE on June 10, 2026, The Draft Prospectus and Draft Abridged Prospectus shall be available on the website of the BSE at www.bseindia.com and is available on website of the Company i.e. www.qtfoods.in,website of the Lead Manager to the issue i.e. Corporate Makers Capital Limited at www.corporatemakers.in. Potential investors should note that investment in Equity shares involves a high degree of risk and for details relating to such risks, please see the section entitled ***"Risk Factors"*** on page no. 22 of the Draft Prospectus and the details set out in the Prospectus, when filed. Potential investors should not rely on the Draft Prospectus for making any investment decision

The Equity Shares offered in the Issue have not been and will not be registered under the U.S. Securities Act, 1933 **(the "U.S. Securities Act")** or any state securities laws in the United States, and may not be offered or sold within the United States, except pursuant to an exemption from, or in a transaction not subject to, the registration requirements of the U.S. Securities Act and applicable state securities laws. Accordingly, the Equity Shares are being offered and sold only outside the United States in offshore transactions in reliance on Regulations and the applicable laws of the jurisdiction where those offer and sales occur. There will be no public offering of the Equity Shares in the United States.